"वोटर हेल्पलाइन एप"

निर्वाचन प्रक्रिया में तकनीकी नवाचार का हस्ताक्षर है

प्रवीण गुप्ता (आईएएस)
मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान, जयपुर.

बदलते समय के साथ बदलाव आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत है। इसी नब्ज को पहचानने में भारत निर्वाचन आयोग हमेशा अग्रणी रहा है। आयोग ने मतदाताओं खासकर युवाओं की मनोस्थिति को भांपकर समय-समय पर कई तकनीकी नवाचार किए हैं। इसी कड़ी को और मजबूती देने के लिए आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए खासतौर पर 'वोटर हेल्पलाइन' एप लॉन्च किया है। इस एप के जरिए मतदाता तमाम तरह की मनचाही जानकारियां एक टच पर आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

पंजीकरण से शिकायत तक एक क्लिक पर

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा देश में लोकतंत्र एवं मतदाता जागृति के पक्षों को ध्यान में रखते हुए यह एप प्रारंभ किया है। इस एप के माध्यम से एक ही स्थान पर पंजीकरण, सूचना, शिकायत आदि कार्य संपन्न हो सकेंगे। मतदाता मनचाही जगह पर बिना किसी असुविधा के अपने मोबाइल फोन के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया से जुड़े सभी कार्य संपन्न कर सकेगा। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग की तमाम जानकारियों, प्रेस नोट, गैलरी आदि के संपर्क में भी रहेगा। एक ही स्थान पर समेकित सुविधाएं दिलाने के उद्देश्य को लेकर मतदाता हेल्पलाइन एप निश्चय ही आज के तकनीकी युग में निर्वाचन आयोग की एक नवीन और सशक्त पहल है।

सभी सवालों के जवाब एक मंच पर

कोई भी भारतीय मतदाता इस एप के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम खोजने, नव मतदाताओं के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने, दूसरी विधानसभा में स्थानांतरित होने, विदेश में रह रहे मतदाताओं का पंजीकरण करने, नाम काटने या नाम में त्रुटि संशोधन जैसे काम आसानी से कर सकता है। यही नहीं मतदाता सूची सम्बंधी कोई भी शिकायत या मतदाता प्रविष्टियों में सुधार, निर्वाचक से सम्बंधित शिकायतें एवं उनके निस्तारण की स्थिति, मतदाता चुनाव, ईवीएम, परिणाम आदि के विषय में सामान्यतः पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर, मतदाता एवं निर्वाचक अधिकारी के लिए सेवा एवं साधन या अन्य जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकता है।

डाउनलोड करने में भी आसानी

इस एप को एंड्रॉयड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध प्ले स्टोर के माध्यम से इस एप को कोई भी मतदाता अपने मोबाइल में आसानी से डाउनलोड कर सकता है। इस एप को डाउनलोड करने के बाद इसके मुख्य पृष्ठ यानी होम पर मतदाताओं को कई सूचनाएं मिलेंगी और इन सूचनाओं के लिए एक आइकन बना होगा जिस पर क्लिक करके वह जानकारी एवं सम्बंधित कार्य कर सकते हैं। इसमें मतदाता सूची में नाम खोजना, मतदाता द्वारा अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न, विभिन्न प्रकार

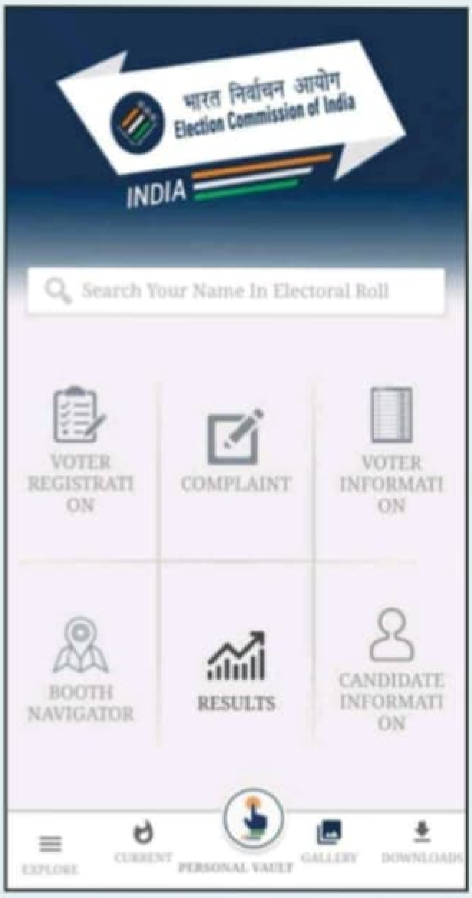

के फॉर्म्स, ईवीएम, चुनाव परिणाम, वोटर हेल्पलाइन डैशबोर्ड, ईसीआई द्वारा प्रकाशित वर्तमान प्रकाशन, गैलेरी, डाउनलोड प्रमुख रूप से शामिल हैं।

जरूरी जानकारियों से भरा है डैशबोर्ड

वोटर हेल्पलाइन के डैशबोर्ड को देखें तो इसमें मतदाता सूची में नाम की खोज, वोटर हेल्पलाइन को कॉल करना, ऑनलाइन फॉर्म स्टेटस देखना, शिकायत दर्ज करना और

शिकायत की स्थिति को जानने से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं। निर्वाचन खोज के पृष्ठ पर देखें तो इसके माध्यम से विविध विवरण द्वारा खोज करना, एपिक नंबर के माध्यम से खोज करना, निर्वाचन विवरण चित्र रूप में डाउनलोड करने जैसे काम संपादित किए जा सकते हैं।

नाम जोड़ने–हटाने के लिए ऑनलाइन आवेदन

इस एप के जरिए मतदाता अपने नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन जैसे आवेदन बिना किसी परेशानी के कर सकता है। फार्म प्रस्तुति के पृष्ठ पर कोई भी नवीन मतदाता अपना पंजीकरण या विधानसभा क्षेत्र बदलने के लिए फॉर्म 6 को ऑनलाइन भर सकता है। विदेशी मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म 6 ए, नाम हटाने के लिए फॉर्म 7, प्रविष्टियों में सुधार के लिए फॉर्म 8, ट्रांस्पोजिशन के लिए फॉर्म 8 ए भरा जा सकता है। साथ ही इससे सम्बंधित अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न इसमें शामिल है।

शिकायत के लिए नहीं लगाने होंगे चक्कर

मतदाता को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी किसी शिकायत के लिए अब कहीं चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। कोई भी मतदाता शिकायत दर्ज करने वाले मैन्यू पर ओटीपी से मोबाइल नंबर की जांच कर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए आप अपने मोबाइल नंबर को डालकर ओटीपी निर्वाचन आयोग की तरफ से प्राप्त कर सकते हैं और उसके बाद अपनी शिकायत दर्ज की जा सकती है। अगले पृष्ठ पर ईवीएम एवं परिणाम से संबंधित अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न उपलब्ध हैं। इससे आप चुनाव या ईवीएम व परिणाम के लिए अक्सर पूछे जाने वाले विभिन्न प्रश्नों की विस्तृत श्रृंखला से परिचित हो सकते हैं। साथ ही अपनी शिकायत या प्रश्न का समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

सभी जानकारियां उपलब्ध कराने का प्रयास

भारत निर्वाचन आयोग ने एप के जरिए ज्यादा से ज्यादा जानकारी को समेटने की

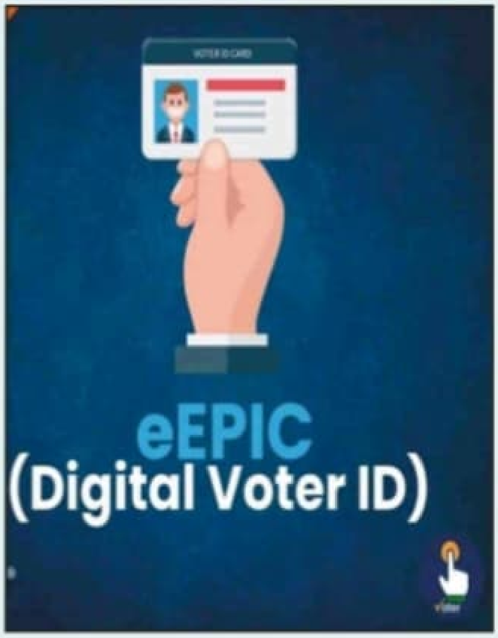

कोशिश की है। एप की गैलरी में आप पिछले चुनावों के भारत निर्वाचन आयोग के प्रकाशनों, मतदाता चेतना के जिंगल, वीडियो, ऑडियो, पॉडकास्ट और विभिन्न प्रकाशनों की जानकारी ले सकते हैं। ईसीआई अधिकारियों से संपर्क के विभिन्न विवरण दिए गए हैं।

इसमें मतदाता शिक्षा के बारे में तमाम प्रकाशन, जानकारी और सम्बंधित रिसोर्सेज को बताया गया है। साथ ही राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के बारे में आप विवरण जान सकते हैं। इसके अलावा आयोग के बारे में संपूर्ण जानकारी भी दी गई है।

एप के जरिए भरा 'गागर में सागर'

सार रूप में देखा जाए तो 'वोटर हेल्पलाइन' एप अपने आप में एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से कोई भी आम मतदाता घर बैठे बहुत ही सरलता के साथ मतदान सम्बन्धी किसी भी प्रकार के कार्य को पूरा कर सकता है। उसे कहीं भी जाने की आवश्यकता नहीं है और अपने आप में विविध मेन्यू पृष्ठों पर दी गई जानकारी और उपरोक्त सरल विवरण के माध्यम से वह बिना किसी विशेष सहायता के अपना काम संपन्न कर सकता है। मतदान व मतदाताओं की दृष्टि से 'वोटर हेल्पलाइन' एप न केवल एक नवाचार का सूत्रपात है बल्कि विशेष रूप से नई पीढ़ी जो सोशल मीडिया और तकनीकी नवीनताओं पर बल देती है।

युवा पीढ़ी एप डाउनलोड कर गढ़े संकल्प की नई परिभाषा

कोई भी मतदाता जो 1 जनवरी 2022 को 18 वर्ष की उम्र प्राप्त कर रहा है वह इस एप से मतदाता पंजीकरण की तमाम कार्यवाही घर बैठे संपन्न कर सकता है। आयोग और निर्वाचन विभाग को आशा है कि प्रदेश की युवा पीढ़ी 'वोटर हेल्पलाइन' एप को अधिक से अधिक संख्या में डाउनलोड कर हमारे 'संकल्प अभियान' को न केवल गति देगी बल्कि राजस्थान संपूर्ण देश में नवाचारों और संकल्प की नई परिभाषा लिखने के लिए तत्पर रहेगी। •

कोई भी मतदाता शिकायत दर्ज करने वाले मैन्यू पर ओटीपी से मोबाइल नंबर की जांच कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। इसके लिए उसे अपना मोबाइल नंबर डालकर ओटीपी निर्वाचन आयोग की तरफ से प्राप्त करना होगा। उसके बाद वह अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।